विज्ञापनों पर खर्च की गई धनराशि।

@1699. **श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल** : क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि वर्ष 1991-92 के दौरान उनके मंत्रालय ने विज्ञापनों पर भाषा-वार कुल कितनी धनराशि खर्च की है ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री के० पी० सिंह देव) : वर्ष 1991-92 के दौरान, विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय द्वारा सरकारी विज्ञापनों पर किए गए खर्च का भाषा-वार ब्यौरा संलग्न विवरण में दिया गया है।

विवरण

1991–92 के दौरान भाषा-वार विज्ञापनों पर सरकार द्वारा किए गए खर्च की धनराशि के ब्यौरे

भाषा	कुल धनराशि (रुपये में)
अंग्रेजी	8,82,84,356.00
हिन्दी	6,65,08,844.00
उर्दू	97,78,363.00
पंजाबी	60,73,918.00
मराठी	1,33,88,180.00
गुजराती	80,76,155.00
सिन्धी	5,18,244.00
असमी	17,68,736.00
बंगला	1,16,72,781.00
उड़िया	34,59,288.00
तमिल	66,73,358.00
तेलुगू	28,40,188.00
मलयालम	87,49,789.00
कन्नड़	32,46,885.00
संस्कृत	27,373.00
नेपाली	2,88,020.00
मिजो	82,570.00
खासी	36,248.00
कोंकणी	34,528.00

@पूर्वत: अतारांकित प्रश्न 1046, 3 मार्च, 1993 से स्थानांतरित।

कृषि क्षेत्र के लिए शुल्क में वृद्धि

1700. **श्री सोमपाल** : क्या **विद्युत** मंत्री 23 फरवरी, 1993 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न सं० 156 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या कृषि और कृषकों पर बिजली की दरों में वृद्धि पड़ने वाले प्रभाव के संबंध में कोई मूल्यांकन बिजली की दर में वृद्धि करने से पहले किया जाएगा ; और

(ख) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० वी० रंगैया नायडू) : (क) और (ख) कृषि मंत्रालय द्वारा एकत्र किए गए लागत संबंधी ब्यौरे की सहायता से किए गए विश्लेषण कार्य के आधार पर 50 पैसे प्रति किलोवाट आवर प्रस्तावित न्यूनतम कृषि टैरिफ का विभिन्न राज्यों में विभिन्न फसलों की कुल उत्पादन लागत पर केवल नाममात्र ही असर पड़ेगा।

नबीनगर बिहार के घिरसिण्डी ताप विद्युत केन्द्रों का चालू किया जाना।

1701. **श्रीमती कमला सिन्हा** : क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राष्ट्रीय ताप विद्युत परियोजना के अधीन बिहार में स्थापित किए जाने वाले विद्युत केन्द्रों के संबंध में केन्द्रीय सरकार के पास लंबित प्रस्तावों की संख्या कितनी है;

(ख) क्या यह सच है कि बिहार के औरंगाबाद जिले में नबीनगर के घिरसिण्डी पहाड़ों पर राष्ट्रीय ताप विद्युत केन्द्रों की स्थापना के सम्बन्ध में वर्ष 1989 में मंजूरी दी गई थी; और

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में अब तक क्या कार्यवाही की गई है ?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० वी० रंगैया नायडू) : (क) नेशनल थर्मल पावर कारपोरेशन (एन० टी० पी० सी०) का बिहार के उत्तरी करनपुरा में एक सुपर ताप विद्युत परियोजना (2×500 मे० वा०) स्थापित करने के संबंध में एक प्रस्ताव है।

(ख) जी, नहीं।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

Government incentives to private sector for power generation

1702. DR. BAPU KALDATE : Will the Minister of POWER be pleased to state :

(a) whether Government's attention has been drawn to the newsitem which appeared in the 'Indian Express' of January 21, 1993 captioned "Government incentives for private sector power on anvil";

(b) whether it is a fact that Government are keen to provide further incentives to the private sector for power generation and distribution thereof;

(c) whether it is also fact that he had held discussions with the private sector in this regard; if so, the details thereof;

(d) whether the response of the private sector has been encouraging; and

(e) if so, what is the extent thereof and what will be its impact on the Central sector ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (SHRI P. V. RANGAYYA NAIDU) : (a) Yes, Sir.

(b) to (e) With a view to bring in additionality of resources, Government have announced and are implementing a policy of encouraging private sector participation in the power sector. 41 proposals for a capacity addition of 19914.5 MW involving an investment of Rs. 51986.29 crores have been received. Discussions are regularly held with the project proponents regarding specific projects and the policy has been kept under constant review. Capacity addition by the private sector will result in improved power supply for the country as a whole.

Funding of Kayamkulam Thermal Power Project

1703. SHRI P. UPENDRA : Will the Minister of POWER be pleased to state :

(a) whether Government have given clearance for the funding of the Kayamkulam Thermal Power station by external agencies;

(b) if so, what are the details thereof; and

(c) by when the project is likely to take off ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (SHRI P. V. RANGAYYA NAIDU) : (a) and (b) The Kayamkulam Thermal Power Project Stage-I (2×210 MW) has been posed for financial assistance from the Overseas Economic Cooperation Fund (OECF), Japan for the financial year 1993-94. The project has also been included in the proposals posed to the World Bank under the 'Time Slice' approach.

(c) The project has been included in the Eighth Five Year Plan to yield benefits in the Ninth Plan period.

World Bank Aid to S.E.Bs.

1704. SHRI KRISHAN LAL SHARMA : Will the Minister of POWER be pleased to state :

(a) whether it is a fact that electricity tariff differs from state to state in the country;

(b) whether it is also a fact that non-viable tariff structure is one of the causes of poor financial position of the State Electricity Boards;

(c) whether it is also a fact that the World Bank has expressed its willingness to lend money to those S.E.Bs. that are willing to charge rational tariff; and

(d) if so, what steps Government propose to take in this regard ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (SHRI P. V. RANGAYYA NAIDU) : (a) and (b) Yes, Sir.

(c) and (d) The World Bank is reluctant to grant loan assistance to the SEBs which do not earn the statutory minimum surplus